

पेट्रोलियम, रसायन और उर्बरक मंत्री (श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा) : (क) सरकार को पी० वी० सी० रेसिन तथा पोलिस्ट्रीन के मूल्यों में हुई वृद्धि के सम्बन्ध में शिकायतें मिली हैं। तथापि किस्म में गिरावट होने के सम्बन्ध में किसी प्रकार की शिकायतें प्राप्त नहीं हुई हैं।

(ख) उत्पादकों को इन वस्तुओं के मूल्यों को कम करने के सम्बन्ध में लिखा गया है। देश में पी वी सी की कमी को दूर करने के लिए सरकार ने 2500 मी० टन पी वी सी का घटी सीमा शुल्क दर पर आयात करने का प्रबन्ध किया है। कमियों को दुबारा होने की सम्भावना होने पर और अधिक आयात किया जा सकता है। बाजार में अधिक उपलब्धता के कारण मूल्यों में गिरावट आने की सम्भावना है।

पश्चिम रेलवे में जिला मुख्यालयों के लिए आउट एजेंसियां

\* 434. श्री चतुर्भुज : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में कौन-कौन से ऐसे जिला मुख्यालय हैं जहां पश्चिम रेलवे की आउट एजेंसियां नहीं हैं ;

(ख) क्या सरकार वहां शीघ्र ही आउट एजेंसियां स्थापित करने के प्रश्न पर विचार कर रही है ;

(ग) यदि हां तो कब ; और

(घ) यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु बंडवले) : (क) राजस्थान के निम्नलिखित जिला मुख्यालयों में पश्चिम रेलवे की कोई आउट एजेंसी नहीं है :—

1. अजमेर 2. अजमेर 3. भरतपुर
4. भीलवाड़ा 5. चित्तौड़गढ़ 6. चुरू 7.

डूंगरपुर 8. झुंझनू 9. सर्वाई माधोपुर  
10. सीकर 11. सिरौही 12. मुजात रोड  
13. टोंक 14. उदयपुर

(ख) जी नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) आउट एजेंसियों की व्यवस्था रेलहेड से दूरस्थ स्थलों पर की जाती है। उपर्युक्त सभी जिला मुख्यालयों (टोंक को छोड़कर) में ऐसे रेलवे स्टेशन है जहां व्यापारियों और जनता की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त सुविधाएं मुलभ हैं। टोंक स्थित आउट एजेंसी अक्टूबर, 1974 में बन्द कर दी गयी थी और इसे पुनः खोला नहीं जा सका क्योंकि इसके लिए कोई उपर्युक्त ठेकेदार नहीं मिला।

जबलपुर-गोंदिया रेलवे लाइन को बड़ी लाइन में बदला जाना

\* 435. श्री लक्ष्मण राव मानकर : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में तांबे की खानें होने से जबलपुर से गोंदिया तक की रेलवे लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का निर्णय किया गया है।

(ख) यदि हां तो इस बारे में क्या प्रगति हुई है ; और

(ग) क्या गोंदिया से चन्द्रपुर तक मीटर गेज लाइन को बड़ी लाइन में बदलने का प्रस्ताव है और इस बारे में सरकार ने क्या निर्णय लिया है ?

रेल मंत्री (प्रो० मधु बंडवले) : (क) और (ख). जबलपुर—गोंदिया छोटी लाइन खंड को बड़ी लाइन में बदलने के लिए प्रारम्भिक इजीनियरी एवं यातायात सर्वेक्षण किया जा रहा है। सर्वेक्षण पूरा हो जाने और रिपोर्टें

की जांच कर लिए जाने के बाद जबलपुर—  
गोंदिया खंड के बदलाव के सम्बन्ध में निर्णय  
लिया जायेगा ।

(ग) इस समय गोंदिया—चन्द्रपुर छोटी  
लाइन खण्ड को बड़ी लाइन में बदलने का कोई  
प्रस्ताव नहीं है ।

**Plan to set up a Petro-Chemical  
Complex on the basis of Mathura  
Refinery**

\*436. SHRI SATISH AGARWAL:  
Will the Minister of PETROLEUM  
AND CHEMICALS AND FERTI-  
LIZERS be pleased to state:

(a) whether there is a plan to set  
up a Petro-chemical complex on the  
basis of the Mathura Oil Refinery; if  
so, when will it be finalised;

(b) how many such complexes are  
running in the country at present,  
what is the extent of shortage of  
products being produced by them and  
how are they being met; and

(c) whether Government propose  
to locate the new complex in the  
nearby areas of Rajasthan?

THE MINISTER OF PETROLEUM,  
CHEMICALS AND FERTILIZERS  
(SHRI H. N. BAHUGUNA): (a)  
There is no plan for the present to  
set up a Petrochemical Complex on  
the basis of Naphtha to be available  
from Mathura Refinery.

(b) At present the following major  
Petrochemical projects are in opera-  
tion in the country:—

- (i) Aromatics Project of IPCL at  
Baroda.
- (ii) NOCIL's Naphtha Cracker at  
Bombay.
- (iii) Union Carbide's Naphtha  
Cracker at Bombay.
- (iv) PRC's Kureha Cracker at  
Tirunelveli.

In addition, two major petrochemi-  
cal projects—IPCL's Naphtha Cracker  
and its downstream units at Baroda  
and BRPL's Petrochemical Complex  
at Bongaigaon, both in Public Sec-  
tor—are under implementation.

The demand for various petrochemi-  
cal items suffered a set back due to  
price hike of these products follow-  
ing the oil crises. Demand for these  
items is however, now gradually pick-  
ing up. Pending the commissioning  
of the Petrochemical units under con-  
struction particularly IPCL's Naphtha  
Cracker and its downstream units,  
the temporary shortages which are  
marginal and vary from time to time  
are being met through imports.

(c) No, Sir.

**Introduction of Rayalaseema Express  
from Tirupathi to Hyderabad**

\*437. SHRI P. RAJAGOPAL  
NAIDU: Will the Minister of RAIL-  
WAYS be pleased to state:

(a) whether there is any proposal  
with the Government to introduce  
Rayalaseema Express on the broad  
gauge from Tirupathi to Hyderabad;  
and

(b) if so, when it is likely to be  
implemented?

THE MINISTER OF RAILWAYS  
(PROF. MADHU DANDAVATE):  
(a) Yes, Sir.

(b) The proposal is still under con-  
sideration.

**Oil exploration of On-shore areas by  
Foreign countries**

\*438. SHRI G. Y. KRISHNAN: Will  
the Minister of PETROLEUM AND  
CHEMICALS AND FERTILIZERS be  
pleased to state:

(a) whether Government have allo-  
cated certain on-shore areas for oil  
exploration to some foreign countries  
during last six months; and